उद्योगों के लिए प्राधिकरणों के पास एक करोड़ वर्गमीटर जमीन मौजूद

लखनऊ। निवेश परियोजनाओं के भूमि पूजन समारोह में प्रदेश की 25 से अधिक औद्योगिक नीतियों की अहम भूमिका होगी, जिनकी वजह से बड़ी संख्या में निवेशक आकर्षित हुए। जमीन की उपलब्धता भी निवेश आकर्षण के प्रमुख कारणों में से एक है। सभी औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के पास वर्तमान में एक करोड़ वर्गमीटर से ज्यादा जमीन उपलब्ध है।

सबसे ज्यादा डिफेंस कॉरिडोर में 80 लाख वर्गमीटर जमीन उपलब्ध

गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण, न्यू ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण एवं ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण में 7.96 लाख वर्ग मीटर की जमीन उद्योगों के लिए मौजूद है। उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण में 17.05 लाख वर्ग मीटर के खाली भूखंड हैं। उप्र डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में 80.47 लाख वर्ग मीटर भूमि उपलब्ध है। अभी तक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने उद्योगों को 2,568 भूखंड दिए हैं जबकि दो लाख वर्गमीटर से ज्यादा जमीन आवंटन के लिए मौजूद है। इसी तरह नोएडा प्राधिकरण ने 11,162 औद्योगिक भूखंड आवंटित किए हैं। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने औद्योगिक इकाइयों को 981 भूखंड आवंटित किए हैं और 5.87 लाख वर्गमीटर आवंटन के लिए मौजूद है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने पिछले दो साल में उद्योगों को 244.21 एकड़ के 261 भूखंड आवंटित किए हैं। इसके अलावा सभी औद्योगिक विकास प्राधिकरण निवेश सारथी पोर्टल पर खाली भूखंडों का डाटा अपलोड कर रहे हैं। नए निवेशकों को बीमार इकाइयों की जमीन भी दी जा रही है। लखनऊ में स्कूटर्स इंडिया की जमीन अशोक लीलैंड को इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण के लिए दी गई है। ब्यूरो